मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4 **BHDE–101/EHD–1**

# स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी. डी. पी.)

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2025

## (ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिंदी)

## बी.एच.डी.ई.-101/ई.एच.डी.-1 : हिंदी गद्य

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिये : $3 \times 12 = 36$

(क) पुश्तैनी पेशा — अनाज भूनने में क्या रखा है ? कनस्तर में अनाज भुनवाने लोग आते नहीं। मकई की रोटी अशराफ लोग खाते नहीं। दाल इतनी महँगी है कि लोग चने की दाल बनाएँगे कि कनस्तर में चना

भुनाकर सत्तू बनवाएँगे। उस पर भी इतनी मेहनत गाँव के बगीचों, बँसवाड़ियों में सूखे पत्ते बटोरकर जमा करो, उसे जलाकर अनाज भूनकर पेट की आग ठंडा करो।

(ख) पाँच–छः दिन तक जियाराम ने पेटभर भोजन नहीं किया। कभी दो–चार कौर खा लेता, कह देता भूख नहीं। उसके चेहरे का रंग उड़ा रहता था। रातें जागते कटतीं, प्रतिक्षण थानेदार की शंका बनी रहती थी। यदि वह जानता कि मामला इतना तूल खींचेगा तो कभी ऐसा काम न करता। उसने तो समझा था—किसी चोर पर शुबहा होगा।

(ग) मुझे इसकी चिंता नहीं है, सम्राट ! गर्व मेरे अंतःकरण का अधिकार है। वह राजा से अनुशासित नहीं है। किंतु मैं स्पष्ट कह देना चाहता हूँ कि चाणक्य के गर्व की चिंगारी स्वर्ग के राज्य को प्राप्त करके भी लपट नहीं बनेगी। हाँ, अपमान के हल्के झोंके से ही वह दावाग्नि बनकर तुम्हारे वैभव के नंदन वन को क्षणभर में भस्म कर सकती है। क्या तुम नंद वंश के विनाश की पुनरावृत्ति देखना चाहते हो ?

(घ) भयानक समस्या है। मूर्खों ने स्वार्थ के लिए साम्राज्य के गौरव का सर्वनाश करने का निश्चय कर लिया है ! सच है, वीरता जब भागती है, तब उसके पैरों से राजनीतिक छल-छन्द की धूल उड़ती है। कुमार चंद्रगुप्त को यह सब समाचार शीघ्र ही मिलना चाहिए। गूँगी के अभिनय में महादेवी के हृदय का आवरण तनिक-सा हटा है, किंतु वह थोड़ा-सा स्निग्ध भाव भी कुमार के लिए कम महत्व नहीं रखता।

(ङ) यह कहना तकिया कलाम हो गया है कि, किसी व्यक्ति का उसके जीवनकाल में, सही जायजा नहीं किया जा सकता। क्या मृत्यु के बाद भी किसी व्यक्ति का सही लेखा-जोखा करना सहज और संभव है ? किसी व्यक्ति के जीवन को विभिन्न स्तरों पर, अलग-अलग दृष्टि से देखा-परखा जा सकता है और इस तरह देखी गई तस्वीर दूसरे स्तर से देखी हुई छवि से भिन्न ही नहीं एक-दूसरे को 'कंट्रडिक्ट' भी करती है।

2. हिन्दी गद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 16

3. 'ठेस' कहानी के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए। 16

4. 'निर्मला' उपन्यास के प्रमुख पात्रों का चरित्रगत परिचय दीजिए। 16

5. 'रात बीतने तक' के संरचना-शिल्प पर विचार कीजिए। 16

6. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी की कथावस्तु की विशेषताएँ बताइए। 16

7. रंगमंचीयता की दृष्टि से 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की समीक्षा कीजिए। 16

8. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं ?' निबंध की अंतर्वस्तु पर प्रकाश डालिए। 16

9. संस्मरण की दृष्टि से 'त्रिलोचन' का मूल्यांकन कीजिए। 16

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times8=16$

(क) 'उसने कहा था'

(ख) रेडियो नाटक

(ग) पटकथा

(घ) 'पगडंडियों का जमाना' का प्रतिपाद्य

× × × × ×